साँप और चीटी की कहानी – Short Story In Hindi With Moral

By - storiesforkidsbedtime.com

जंगल में तरह-तरह के जानवर रहा करते है। कुछ जानवर पेड़-पौधे खाते है और कुछ अन्य जानवरों को खाते है। एक जंगल में एक छोटा सा सांप अपने बिल में रहता था। वह चूहों, बतक आदि छोटे-छोटे जानवरों को खता था। उसका डर बस छोटे जानवरों तक सिमित था। धीरे धीरे वह बड़ा होने लगा। अब शरीर बड़ा होने के साथ-साथ उसे ज़्यादा खाना खाने की आवश्यकता थी। ऐसे में वह एक दिन में बहुत सरे छोटे जानवरों को खा जाता। वह सांप चिडियो को, चिड़ियों के अण्डों को, चूहे, खरगोश,बतख आदि अन्य जानवरों को खाया करता। खाने के बाद अपने बिल में घुस जाता और सोता रहता। जंगल के सारे जानवर उससे परेशां रहने लगे थे।

धिरे-धीरे समय निकलता गया और सांप का शरीर और भी बड़ा होता चला गया। अब उसे अपने बिल में घुसने में मुश्किल होती थी। कभी-कही तो वह अपने बिल में फस जाया करता था। ऐसे में वह सांप दूसरे बिल की तालाश में इधर-उधर भटकने लगा। रेंगता हुआ वह एक बरगद के पेड़ के पास जा पंहुचा। उसने वह देखा की वह चीटियों ने बहुत ही बड़ा बिल बनाया था। सांप ने सोचा, “यह बिल मेरे लिए बहुत सही रहेगा। यह बड़ा भी है और मेरे शरीर के लिया उत्तम भी है। ” यह सोचकर वह चीटिंयों के पास गया और उनसे बोला, “आज से मई इस बिल में रहूँगा तुम सब यहाँ से चले जाओ।”

Read More - Short Stories

बरगद का पेड़ बहुत ही बड़ा होता है जिसमे एक साथ बहुत से जानवर रह सकते है। इसीलिए उस बरगद के पेड़ में भी बहुत से जानवर पंछी रखा करते। लेकिन जब उन्होंने सुना की वह सांप यहाँ रहना कहता है तो वे सब डर गए। सबने सोचा के कैसे भी यह सांप यहाँ से चला जाए।

चीटियों ने जैसे ही सांप की बात सुनी तो वे गुस्सा हो गई और सबसे मिलकर एक साथ सांप पर हमला कर दिया। चीटियों ने सां के शरीर को पूरा ढक लिया और वे सुब सांप को काटने लगी। ऐसे में सांप छटपटाने लगा और तुरंत वहां से भाग गया। इस तरह से छोटी सी दिखने वाली चींटियों ने एक बड़े से सांप को भगा दिया। इसलिए कहते है न जो जैसा दीखता है वैसा होता नहीं। दूसरे के छोटे शरीर को देख यह नहीं सोच लेना चाहिए की वह करजोर है। एक छोटा सा चींटी एक बड़े से हाथी को आसानी से परेशान कर सकती है।